भारत में 7 लाख करोड़ के लैपटॉप बनाने की क्षमता

नई दिल्ली। भारत की लैपटॉप और टैबलेट विनिर्माण क्षमता 2025 तक बढ़कर 100 अरब डॉलर (7 लाख करोड़ रुपये) पर पहुंच सकती है। साथ ही वैश्विक हिस्सेदारी बढ़ाने के साथ रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। हालांकि, इसके लिए नीतिगत हस्तक्षेप की जरूरत होगी।

इंडियन सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) की रिपोर्ट के मुताबिक, लैपटॉप व टैबलेट पीसी विनिर्माण के स्तर को बढ़ाकर भारत वैश्विक बाजार में 26% हिस्सेदारी हासिल कर सकता है, जो अभी एक फीसदी है। साथ ही इससे पांच लाख नए रोजगार भी पैदा होंगे। आईसीईए चेयरमैन पंकज महेंद्रू ने कहा, विनिर्माण क्षमता बढ़ने से 2025 तक कुल 75 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा व एक अरब डॉलर से अधिक निवेश प्राप्त होगा। देश का इलेक्ट्रॉनिक बाजार 65 अरब डॉलर पर पहुंच गया है, जबकि लैपटॉप-टैबलेट के मामले में हम आयात पर निर्भर हैं। इसका 87 फीसदी आयात चीन से होता है। राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स नीति-2019 में इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण को 2025 तक 400 अरब डॉलर पर पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। एजेंसी

आईसीईए ने कहा...2025 तक पैदा होंगे 5 लाख रोजगार

देश के प्रिंटर बाजार में सालाना 12.7% गिरावट...लॉकडाउन के कारण

भारतीय प्रिंटर बाजार में सितंबर तिमाही में सालाना आधार पर 12.7 फीसदी गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान कुल 9.1 लाख प्रिंटर ही बिक सके। रिसर्च फर्म आईडीसी ने रिपोर्ट में कहा है कि त्योहारी सीजन में ग्राहकों की धारण बेहतर होने से तीसरी तिमाही में क्रमिक आधार पर प्रिंटर बाजार में 164.8 फीसदी की तेजी दर्ज की गई है।